हरिभूमि
सीहोर भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, बुधवार 18 फरवरी 2026
सीहोर | नसरुल्लागंज | रेहटी | इछावर | कोठरी | श्यामपुर | शाहगंज | कालापीपल | जावर

04 मीटर लगाने पर जताई आपत्ति, समाधान...

07 अदालतों में वकीलों को ढूंढते नजर आए पक्षकार...

खबर संक्षेप

मरीज और परिजनों के साथ हो रहा अभद्र व्यवहारः गुजराती

सीहोर। मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजीव गुजराती ने बयान जारी करते हुए कहा कि श्यामपुर के पत्रकार और उनकी पत्नी के साथ जिला अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा गाली गलौज कर अभद्र व्यवहार किया गया। जिसके खिलाफ पत्रकार बंधुओं द्वारा जिला चिकित्सालय के गेट पर ही धरने पर बैठ गए और कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग करने लगे। जिला अस्पताल में पूर्व में भी अभद्र व्यवहार की कई घटनाएं हो चुकी है, लेकिन आज तक किसी कर्मचारी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई जो बहुत ही शर्मनाक है। कांग्रेस पार्टी मरीजों और उनके परिजनों के साथ इस तरह के अभद्र व्यवहार की कठोर निंदा करती है और दोषियों पर कार्यवाही की मांग की है।

17 फरवरी से 19 मार्च तक चलेगा अभियान

सीहोर। शासन के निर्देशानुसार वर्ष 2025-26 के दस्तक अभियान का दूसरा चरण 17 फरवरी 2026 से 19 मार्च 2026 तक चलाया जाएगा। इस चरण के दौरान स्वास्थ्य विभाग और महिला बाल विकास विभाग के कार्यकर्ताओं द्वारा अनेक स्वास्थ्य सेवाएं दी जाएंगी। सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया ने बताया कि दस्तक अभियान के दूसरे चरण में कार्यकर्ताओं द्वारा 09 माह से 05 वर्ष तक के सभी बच्चों को विटामिन ए का अनुपूरण किया जाएगा। इसके साथ ही अभियान के प्रथम चरण में चिन्हित किए गए एनीमिक बच्चों का फॉलोअप, जाँच एवं प्रबंधन किया जाएगा।

बालिकाओं को किया गया सम्मानित

सीहोर। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जावर तहसील के ग्राम खजुरिया में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत बालिकाओं का सम्मान एंव जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी शज्ञानेश खरे ने बताया कि कार्यक्रम में नवजात बालिकाओ का स्वागत किया गया और उन्हें खिलौने एवं कीट वितरित किए गए। इसके साथ ही बालिकाओं और महिलाओं को विभागीय योजनाओं एवं उनके कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

जिला स्तरीय प्रशिक्षण किया गया आयोजित

सीहोर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा एनसीडी कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय एनसीडी उन्मुखीकरण के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिले के सभी एएनएम कार्यकर्ताओं और नर्सिंग ऑफिसर्स को एनसीडी स्क्रीनिंग, जांच, उपचार और एप्लीकेशन मॉड्यूल का एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।

पंडित धीरेन्द्र शास्त्री बोले, सनातन धर्म को जोड़ने का कार्य कर रहे अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा

कथा अपने शहर में सुनना भाग्य है, लेकिन कुबेरेश्वर धाम आकर सुनना हमारा परम सौभाग्य है: पंडित धीरेंद्र शास्त्री

वेदों और शास्त्रों को नष्ट करने में लगे विद्रोही, सनातन को छोड़कर दूसरे धर्म की पुस्तकों पढ़ रहे हमारे धर्म के लोग।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

भारत को प्राचीन काल से ही ज्ञानभूमि कहा गया है। यहां वेद, उपनिषद, महाभारत, रामायण जैसे महाकाव्यों से लेकर आयुर्वेद, ज्योतिष, योग, गणित, वास्तु और दर्शन तक अनेक शाखाएँ विकसित हुईं। संस्कृत, प्राकृत और क्षेत्रीय भाषाओं में रचित ग्रंथ केवल धार्मिक आस्था नहीं थे, बल्कि जीवन की वैज्ञानिक और सामाजिक समझ को भी दिशा देते थे।

पहले टीवी कम थी, पुस्तकें ज्यादा थी, टाकिज कम थे, लाइब्रेरी अधिक थी, अब लोग मोबाइल और सोशल मीडिया के जाल में फंसकर अपने धर्म वेदों और शास्त्रों को छोड़कर दूसरे धर्म की पुस्तकें पढ़ रहे है। उक्त विचार जिला मुख्यालय के समीपस्थ कुबेरेश्वरधाम पर जारी सात दिवसीय रुद्राक्ष महोत्सव के चौथे दिवस अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहे। उन्होंने सनातन धर्म को बचाने और उसकी संस्कृति को जीवित रखने के लिए सभी को एकजुट रहने का आह्वान किया। मंगलवार को कथा वाचक पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने मुख्य आकर्षण बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का आगमन रहा। मंच पर जब दोनों संतों का मिलन हुआ, तो पूरा पंडाल 'हर-हर महादेव और 'जय श्री राम के उद्घोष से गूंज उठा। धीरेंद्र शास्त्री ने अपने आशीष वचनों में कहा, गुरु जी कथा अपने शहर में सुनना भाग्य है, लेकिन कुबेरेश्वर धाम आकर सुनना परम सौभाग्य है। उन्होंने भक्तों को हनुमान और शिव की भक्ति का मार्ग दिखाया।

कथा के दौरान पंडित श्री मिश्रा ने कहाकि गलत संगत मनुष्य के जीवन को नष्ट कर देती है, जबकि सुसंगत से जीवन संवरता है। इसलिए संगति का चयन अत्यंत महत्वपूर्ण है। देवराज ब्राह्मण की कथा का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे गलत साथियों के कारण व्यक्ति का जीवन बिगड़ जाता है। सुबह की प्रार्थना और शाम की आराधना कभी व्यर्थ नहीं जाती। एक लोटा जल भी जीवन की बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान कर सकता है। शिव से अटूट रिश्ताः पंडित जी ने बताया कि सांसारिक रिश्ते मृत्यु के साथ समाप्त हो जाते हैं, लेकिन शिव से रिश्ता जन्मों-जन्मों का है। उन्होंने शिव-सती प्रसंग सुनाते हुए कहा कि महादेव ने सती के 88 लाख जन्म देखे हैं, जो सिद्ध करता है कि उनका संबंध अमर है। शिवरात्रि और नवरात्रि को 'रात्रि से जोड़ने का वैज्ञानिक और आध्यात्मिक कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि जिस तरह रात के बाद सवेरा निश्चित है, उसी तरह संघर्ष के बाद सुख का आना भी तय है। पंडित जी ने बटरफ्लाई इफेक्टका उदाहरण देते हुए कहा कि यदि तितली के पंख फड़फड़ाने से दुनिया पर असर हो सकता है, तो श्रद्धा से चढ़ाई गई बेलपत्री की डंडी और जल का फल क्यों नहीं मिलेगा? उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे मोबाइल और लैपटॉप की दुनिया से बाहर निकलकर शास्त्रों और ज्ञानवर्धक पुस्तकों को पढ़ें।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अपने सनातन धर्म के ग्रंथों को छोड़कर दूसरों के पीछे भागना उचित नहीं है। पंडित श्री मिश्रा ने सोशल मीडिया पर भ्रामक बातों से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा, पहाड़ से ठोकर नहीं लगती, छोटे पत्थरों से लगती है, वैसे ही छोटी-छोटी बातें घर तोड़ देती हैं। कथा के अंत में उन्होंने प्रशासन, मीडिया और सेवादारों का आभार व्यक्त किया जो लाखों भक्तों की सेवा में जुटे हैं।

अखंड हिन्द फौज को किया सम्मानित

पूज्य पंडित जी ने कुबेरेश्वर धाम में सेवा के लिए अखण्ड हिन्द फौज के 500 कैडेटों को सम्मानित भी किया और सभी को उपहार स्वरूप जैकेट प्रदान किया। फौज के महानिदेशक राजेन्द्र त्रिपाठी ने मंच से अखण्ड हिन्द फौज की सेवा के विषय में संक्षेप में बताया। उन्होंने सेवा का अवसर देने के लिए पूज्य गुरुदेव का आभार प्रकट किया। शिव-पार्वती और गणेश जी की भव्य झांकी तथा महाआरती के साथ हुआ। पंडित जी ने भक्तों को आह्वान किया कि यदि भरोसा हो तो ही कुबेरेश्वर धाम आएं, क्योंकि बाबा यहाँ से किसी को खाली हाथ नहीं भेजते।

फूलरा दूज पर होगा बाबा का श्रृंगार

समिति के मीडिया प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि गुरुवार को फूलरा दूज होने के कारण मंदिर परिसर में स्थित बाबा की भव्य शिला और यहां पर निर्मित रुद्राक्ष शिवलिंग का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। वहीं सुबह बाबा की आरती और शाम को विशेष आराधना की जाएगी। धाम पर करीब पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं के बैठने, निशुल्क भोजन, चिकित्सा आदि की भव्य व्यवस्था की गई है। मंगलवार को सुबह से देर रात्रि तक समिति के पंडित समीर शुक्ला और पंडित विनय मिश्रा आदि यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को दाल रोटी, सब्जी, चावल, मिठी नुक्ति और मिक्चर आदि का वितरण किया।

राजस्थान की युवती का आरोप, सलकनपुर आश्रम में भी हुआ दुष्कर्म, ध्यान साधना के नाम दिया अंजाम

निर्देश मिले तो कथावाचक उत्तम स्वामी पर रेहटी थाने में भी दर्ज होगी एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

सीहोर जिले के सलकनपुर (रेहटी) स्थित उत्तम सेवाधाम आश्रम के संचालक और श्री पंच अग्नि अखाड़े के महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी संगीन विवाद में घिर गया हैं। राजस्थान की रहने वाली एक युवती ने उन पर धर्म और आस्था की आड़ में नाबालिग उम्र से ही यौन शोषण और दुष्कर्म करने के सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को ई.मेल भेजकर अपनी जान का खतरा बताते हुए तत्काल 24 घंटे सुरक्षा की मांग की है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में विशेष रूप से सलकनपुर स्थित आश्रम का हवाला दिया है। आरोप है कि भोपाल में कोचिंग करने के बहाने उसे सलकनपुर और बांसवाड़ा के आश्रमों में ध्यान साधना के नाम पर बुलाया जाता था, जहां उसके साथ गलत काम किया गया। पीड़िता का कहना है कि उसका परिवार लंबे समय से आश्रम से जुड़ा था, जिसका फायदा उठाकर गुरु आज्ञा और आध्यात्मिक मार्गदर्शन के नाम पर उसे अलग-अलग शहरों में बुलाया जाता रहा।

नाबालिग उम्र से शोषण का आरोप

शिकायत के अनुसार शोषण का यह सिलसिला उज्जैन सिंहस्थ के दौरान शुरू हुआ था, तब पीड़िता नाबालिग थी और आश्रम के टेंट परिसर में अपने परिवार के साथ ठहरी हुई थी। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि इसके बाद दिल्ली के होटलों में भी उसे बुलाया जाता था, जहां पहचान छिपाने के लिए अन्य नामों से कमरे बुक किए जाते थे।

मिलने लगी धमकियां

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पीड़िता ने दिल्ली पुलिस को बताया कि जैसे ही आरोपी को कानूनी कार्रवाई की भनक लगी, उसे और उसके परिवार को धमकियां मिलनी शुरू हो गई हैं। करीबी लोग समझौते का दबाव बना रहे हैं और उसकी जासूसी की जा रही है। युवती ने सुरक्षा की गुहार लगाते हुए कहा है कि उसके पास इन आरोपों को सिद्ध करने के लिए पुख्ता सबूत मौजूद हैं।

विवादों से रहा है पुराना नाता

गौरतलब है कि उत्तम स्वामी महाराज हाल ही में तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने सलकनपुर आश्रम के एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के न पहुंचने पर मंच से तीखी नाराजगी जाहिर की थी। बाद में मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी थी। अब दुष्कर्म जैसे गंभीर आरोपों ने महाराज की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

निर्देश मिलेंगे तो करेंगे कार्रवाई

फिलहाल हमें इस मामले में कोई औपचारिक दिशा-निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं। जैसे ही वरिष्ठ अफसरों से निर्देश मिलेंगे, उसी के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

राजेश कहारे, थाना प्रभारी रेहटी

नियमित और संविदा कर्मचारियों ने अपने मांगों को लेकर काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

समस्त स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर प्रदेश के स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारियों की वर्षों से लंबित 14 सूत्रीय व आयुष विभाग की 9 सूत्रीय मांगो को लेकर बिलकिसगंज अस्पताल में नियमित और संविदा कर्मचारियों द्वारा काली पट्टी बांधकर शासन का ध्यानाकर्षण किया गया। महासंघ के ललित राठौर द्वारा बताया गया कि विगत कई वर्षों से अनेकों बार शासन विभाग से पत्राचार कर प्रत्यक्ष भेंटकर प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अंतर्गत नियमित तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा, एड्स नियंत्रण समिति संविदा, आउटसोर्स, रोगी कल्याण समिति, गैस राहत, आयुष विभाग आदि के अंतर्गत संबंधित अधिकारी कर्मचारियों की विभागीय समस्या, मांगों के निराकरण हेतु विभाग से निवेदन किया जा रहा है,जिसमें अनेकों मांग अनार्थिक है तथा सैद्धांतिक है। परंतु विभाग शासन के द्वारा कई बार चर्चा उपरांत सहमति बनने के बाद भी आज दिनांक तक आदेश निर्देश ना होने के कारण प्रदेश के स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है। जिसे ध्यान में रखते हुए महासंघ एवं महासंघ से जुड़े अन्य सभी स्वास्थ्य संगठनों के पदाधिकारियो ने निर्णय लिया है कि अगर समय सीमा में मांगों का निराकरण नहीं किया जाता है तो प्रदेश व्यापी आंदोलन जारी रहेगा। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कौरव ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत समस्त अधिकारी कर्मचारी मानव सेवा करते हैं। महत्त्वपूर्ण विभाग है परंतु विभाग की मनमानी के कारण मजबूरन आंदोलन की राह पर जाना पड़ता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री जी से आग्रह किया है कि समय रहते स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारियों की मांगों को गंभीरता से विचार कर शीघ्र निराकरण करें। साथ ही यह भी बताया कि आगामी 24 फरवरी को हजारों की संख्या में भोपाल एकत्रित होकर न्याय यात्रा रैली के माध्यम से मुख्यमंत्री को अवगत कराएंगे। इसके पश्चात हड़ताल पर जाएंगे, जिसकी समस्त जबाबदारी विभाग की होगी।

रोजगार मेले में 1366 पदों पर की जाएगी युवाओं की भर्ती

सीहोर। युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 19 फरवरी को सीहोर स्थित डॉ. अम्बेडकर शासकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में प्रातः 11 बजे से युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में रोजगार विभाग द्वारा स्थानीय, प्रदेश एवं अन्य राज्यों की कंपनियों को आमंत्रित कर युवाओं को रोजगार प्रदान किया जायेगा। रोजगार मेले में वर्धमान फेब्रिक्स, ट्राइडेंट ग्रुप, आयशर कंपनी, एचडीएफसी बैंक, श्रीराम फाइनेंस, स्वरर्ना फर्टिलाइजर, एसबीआई लाइफ, पुष्पक एग्रोटेक, एमआरएफ लिमिटेड सहित 19 कंपनियों द्वारा लगभग 1366 पदों पर युवाओं की भर्ती की जाएगी। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा स्वरोजगार विभागों के स्वरोजगार प्राप्त हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा एवं नये प्रकरण तैयार किये जायेंगे। इसके साथ ही आईटीआई विभाग द्वारा अप्रेंटिसशिप के लिये युवाओं को चयनित किया जायेगा। इच्छुक आवेदक अपने सभी मूल दस्तावेजों के साथ 19 फरवरी को रोजगार मेले में उपस्थित हो सकते हैं।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना में पंजीयन के लिए लग रहे शिविर

योजना में पंजीयन कराने कलेक्टर ने श्रमिकों से की अपील

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशनुसार जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में असंगठित श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से विशेष पंजीयन अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत जिले के नगर परिषद एवं नगरपालिका कार्यालयों में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के अंतर्गत पंजीयन के लिए शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

कलेक्टर द्वारा श्रमिकों से अपील की गई है कि वे इन शिविरों में पहुंचकर योजना का लाभ लें। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए एक स्वैच्छिक एवं अंशदायी पेंशन योजना है, जिसका उद्देश्य श्रमिकों को बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। योजना के तहत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे श्रमिक, जिनकी मासिक आय 15 हजार रुपये या उससे कम है, वे नामांकन कर सकते हैं। 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर उन्हें प्रतिमाह 3 हजार रुपये की पेंशन प्रदान की जाती है। योजना में श्रमिकों को आयु के अनुसार 55 रुपये से 200 रुपये प्रतिमाह तक का अंशदान 60 वर्ष की आयु तक करना होता है। लाभार्थी की मृत्यु होने पर उसके पति या पत्नी को 50 प्रतिशत अर्थात 1500 रुपये प्रतिमाह पारिवारिक पेंशन के रूप में प्रदान किए जाने का प्रावधान है। योजना के अंतर्गत स्ट्रीट वेंडर, रिक्शा चालक, निर्माण श्रमिक, घरेलू कामगार, हम्माल, कृषि श्रमिक तथा अन्य असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिक आवेदन कर सकते हैं।

पंजीयन के लिए श्रमिकों का आधार कार्ड, जनधन बैंक खाता तथा मोबाइल नंबर आवश्यक दस्तावेज हैं। इच्छुक श्रमिक कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) अथवा संबंधित पोर्टल के माध्यम से भी पंजीकरण करा सकते हैं। कलेक्टर बालागुरू के ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शिविरों में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा अधिक से अधिक पात्र श्रमिकों का पंजीयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि जिले के असंगठित श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ समय पर मिल सके।

कर संग्रहण में सीहोर नपा ने मारी बाजी, प्रदेश की टॉप.10 सूची में शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

नगरीय निकायों को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सीहोर नगर पालिका ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

कर संग्रहण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने सीहोर सहित प्रदेश की 10 चुनिंदा नगर पालिकाओं को प्रोत्साहन राशि जारी की है। राज्य शासन ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कुल 2.20 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे के अनुसार राज्य स्तर पर गठित विशेषज्ञ समिति ने राजस्व संग्रहण के कड़े मानदंडों पर निकायों का मूल्यांकन किया था।

इस मूल्यांकन में सीहोर नगर पालिका ने अपनी कार्यकुशलता और पारदर्शिता का परिचय देते हुए प्रदेश की शीर्ष 10 नगर पालिकाओं में स्थान बनाया है। सीहोर के साथ इस सूची में विदिशा, खरगोन, मंदसौर और बैतूल जैसे शहर भी शामिल हैं।

जारी हुई दूसरी किस्त

योजना के सफल क्रियान्वयन के तहत चयनित निकायों को प्रोत्साहन राशि की पहली किस्त 55 लाख रुपये पहले ही दी जा चुकी है। अब आयुक्त द्वारा 55 लाख रुपये की दूसरी किस्त भी जारी करने के आदेश दे दिए गए हैं। इस राशि का उपयोग नगर पालिका अपने वित्तीय सुदृढ़ीकरण और विकास कार्यों के लिए कर सकेगी।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

इस योजना का मुख्य उद्देश्य स्थानीय निकायों को टैक्स वसूली के प्रति प्रोत्साहित करना है ताकि वे सरकारी अनुदान के साथ-साथ स्वयं के राजस्व से भी आत्मनिर्भर बन सकें। सीहोर नगर पालिका के इस प्रदर्शन से शहर में विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है।

खबर संक्षेप

छत्रपति वीर शिवाजी जयंती पर आयोजित होगा सम्मान समारोह

सीहोर। चंद्रशेखर आजाद पीजी कॉलेज सभागार में 19 फरवरी गुरुवार दोपहर 12 बजे छत्रपति वीर शिवाजी जयंती के उपलक्ष में नेशनल मीडिया फाउंडेशन के द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में संत महंत कथा वाचक और वरिष्ठ चिकित्सकों के साथ समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वरिष्ठ नागरिकों का शाल श्रीफल स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया जाएगा। नेशनल मीडिया फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष राजेंद्र नागर ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर और विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश राय एवं नेशनल मीडिया फाउंडेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेश पटेल सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा छत्रपति वीर शिवाजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया जाएगा। संगीतिका महाविद्यालय छात्र-छात्राओं के द्वारा छत्रपति वीर शिवाजी के शौर्य पर आधारित गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। वरिष्ठ जनों के द्वारा छत्रपति वीर शिवाजी महाराज के जीवन पर व्याख्यान दिया जाएगा। नेशनल मीडिया फाउंडेशन के उपाध्यक्ष दिनेश नागर, जिला महामंत्री नरेश मेवाडा, संतोष गुणवान, रायसिंह मालवीय, प्रकाश मालवीय, गोवर्धन सोनी, पप्पू सेन आदि ने कार्यक्रम में नागरिकों को आमंत्रित किया गया है।

स्मार्ट मीटर के नाम पर खुली लूट का आरोप, कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

मीटर लगाने पर जताई आपत्ति, समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन की दी चेतावनी

कांग्रेस ने विद्युत विभाग के कार्यालय पर हल्ला बोल आंदोलन करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। आरोप लगाया कि आम जनता के हितों की अनदेखी कर सरकार खुली लूट कर रही है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरूंदा

नगर में निजी कंपनी के माध्यम से लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों को लेकर सियासत तेज हो गई है। सोमवार को कांग्रेस ने विद्युत विभाग के कार्यालय पर हल्ला बोल आंदोलन करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया और मुख्य अभियंता के नाम ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि आम जनता के हितों की अनदेखी कर सरकार स्मार्ट मीटर के नाम पर खुली लूट कर रही है। प्रदर्शन के दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुनील गोलिया, सुभाष पटेल और चंदर मीना सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने कार्यालय के बाहर नारेबाजी की और कुछ समय के लिए सड़क पर बैठकर विरोध दर्ज कराया। नेताओं का कहना है कि नगर में निजी कंपनी के कर्मचारी उपभोक्ताओं की सहमति के बिना जबरन स्मार्ट मीटर लगा रहे हैं और विरोध करने पर लोगों को कानूनी कार्रवाई का डर दिखाया जा रहा है।

तेज रीडिंग से बढ़ रहे बिल

कांग्रेस नेताओं ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिलों में अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है। उपभोक्ताओं की शिकायत है कि पुराने मीटरों की तुलना में स्मार्ट मीटर की रीडिंग अधिक तेज चलती है, जिससे मासिक बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

ब्लॉक अध्यक्ष सुनील गोलिया ने कहा कि गरीब और श्रमिक वर्ग के परिवार पहले से ही महंगाई से जूझ रहे हैं, ऐसे में बढ़ते बिजली बिल उनकी आर्थिक स्थिति को और कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि तकनीकी खामियों और बढ़े हुए बिलों के समाधान के लिए कंपनी के पास कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं है।

अनुमति के बाद ही लगे मीटर

कांग्रेस ने मांग की है कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं की अनुमति के बाद ही लगाए जाएं और उनकी कार्यप्रणाली की समय-समय पर स्वतंत्र जांच कराई जाए। यदि कोई उपभोक्ता स्मार्ट मीटर नहीं लगवाना चाहता, तो उस पर दबाव न बनाया जाए। नेताओं ने कहा कि आम जनता के मन में स्मार्ट मीटर को लेकर भय और असंतोष व्याप्त है। विभाग को चाहिए कि वह जनजागरूकता अभियान चलाकर तकनीकी जानकारी दे और शिकायत निवारण की पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करे।

समाधान नहीं हुआ तो सड़कों पर आंदोलन

कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया और जबरन मीटर लगाने की प्रक्रिया पर रोक नहीं लगी, तो पार्टी सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगी। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने "जनहित की रक्षा करो" और "स्मार्ट मीटर की जबरदस्ती बंद करो" जैसे नारे लगाए।

ऑपरेशन त्रिनेत्रम: 12 लाख की चोरी का किया खुलासा

थाना सिविल लाइन पुलिस को मिली सफलता

हरिभूमि न्यूज ⏭ देवास

एसपी पुनीत गेहलोद के निर्देशन में थाना सिविल लाइन पुलिस ने महज 08 घंटों में बड़ी चोरी की घटना का पर्दाफाश किया। 14 फरवरी को फरियादी ने थाना सिविल लाइन में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका निवास अग्रसेन नगर में है, घर से सोने के आभूषण चोरी कर लिए गए जिनकी कुल कीमत लगभग 12 लाख आंकी गई।पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई।घटना की गंभीरता को देखते हुए एएसपी जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन एवं सीएसपी सुमित अग्रवाल के निर्देशन में थाना प्रभारी सिविल लाइन हितेश पाटिल तथा थाना प्रभारी कोतवाली श्यामचन्द्र शर्मा के नेतृत्व में दो विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया।ऑपरेशन त्रिनेत्रम' के तहत शहर में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों के घटना कारित करने के बाद भागते हुए के फुटेज मिले। मुखबिर तंत्र की सहायता से संदेही मयंक पिता सुनील उपाध्याय (उम्र 20 वर्ष) निवासी संजय नगर, हाल मुकाम बद्रीधाम नगर देवास एवं एक महिला आरोपी को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने चोरी की घटना स्वीकार कर ली और पुलिस ने 12 लाख के आभूषण बरामद किए। इस सराहनीय कार्रवाई में सउनि राकेश तिवारी, सउनि कमलपुरी गोस्वामी, आरक्षक मातादीन, आरक्षक अंतरसिंह परमार, मप्रआर प्रीति मालवीय, मआर मोनिका तथा थाना कोतवाली से आरक्षक सुजित, आरक्षक वैभव एवं आरक्षक उदय प्रताप की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

देश के टॉप-50 शिक्षण मॉडलों में भैरूंदा के शिक्षक धनवारे का नवाचार, हुए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरूंदा

संसाधनों की कमी को बहाना नहीं, बल्कि नवाचार का अवसर बनाने वाले भैरूंदा क्षेत्र के शिक्षक संतोष धनवारे ने यह साबित कर दिया है कि यदि संकल्प मजबूत हो तो सरकारी स्कूल भी उत्कृष्टता की मिसाल बन सकते हैं। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उनके शिक्षण मॉडल को देश के 50 सर्वश्रेष्ठ शिक्षण मॉडलों में शामिल किया गया है। नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यक्रम में उनकी केस स्टडी प्रस्तुत की गई, जहां देशभर के शिक्षा विशेषज्ञों ने उनके लो-कॉस्ट और नो-कॉस्ट टीएलएम (शिक्षण-अधिगम सामग्री) मॉडल की सराहना की। यह राष्ट्रीय कार्यक्रम शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार एवं राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (एनआईईपीए), नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में अतिरिक्त सचिव धीरज साहू, उप सचिव स्कूल शिक्षा मंत्रालय तुअल जा कम, एनआईईपीए की कुलपति प्रो. शशिकला जे. बंजारी एवं एनसीएसएल की श्रीमती चारु मलिक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय मंच पर भैरूंदा के एक शिक्षक का नवाचार चर्चा का केंद्र बनना पूरे जिले और प्रदेश के लिए गौरव का क्षण रहा। संतोष धनवारे ने अपनी प्रस्तुति में बताया कि टीएलएम केवल सजावट नहीं, बल्कि सीखने की वैज्ञानिक प्रक्रिया का सशक्त माध्यम है। खेल-खेल में पढ़ाई, समझ आधारित शिक्षा और रट्टा पद्धति से दूरी—इन तीन स्तंभों पर उनका मॉडल आधारित है। उनका मानना है कि "विद्यार्थियों को पढ़ाई बोझ नहीं, आनंद का अनुभव कराए और समाज सरकारी स्कूलों को सशक्त संसाधन के रूप में देखे। धनवारे ने कक्षा 1 से 10 तक के विद्यार्थियों के लिए सैकड़ों सहायक शिक्षण सामग्री तैयार की। बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक दक्षता में इस मॉडल ने उल्लेखनीय सुधार किया। वर्ष 2001 से शुरू हुआ यह प्रयोग आज राष्ट्रीय पहचान बन चुका है। 'कबाड़ से जुगाड़' की अवधारणा पर आधारित सामग्री ने यह सिद्ध किया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए भारी बजट नहीं, बल्कि रचनात्मक सोच जरूरी है। भैरूंदा के एक शिक्षक का देश के टॉप-50 शिक्षण मॉडलों में स्थान पाना न केवल जिले बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के लिए गर्व की बात है। यह उपलब्धि संदेश देती है कि समर्पण और नवाचार से सरकारी स्कूल भी राष्ट्रीय स्तर पर मिसाल बन सकते हैं।

नगर पालिका अध्यक्ष ने किया सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

शहर को स्मार्ट सिटी की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है, हर वार्ड में बुनियादी समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। वहीं मंगलवार को नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर सहित पार्षदों ने शहर के छावनी स्थित वार्ड क्रमांक 28 में जारी कायाकल्प योजनांतर्गत डामरीकरण सड़क का निरीक्षण किया और कार्य में गुणवत्ता के साथ समयसीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा करीब 20 लाख की लागत सीसी रोड का लोकार्पण किया गया। इस मौके पर क्षेत्र के पार्षद प्रतिनिधि आशीष गहलोत के अलावा क्षेत्रवासी शामिल थे। वहीं नपाध्यक्ष श्री राठौर ने वार्ड के लोगों से भेंट की। इस मौके पर क्षेत्रवासियों ने कहाकि यहां पर कोई समस्या नहीं है, क्षेत्र में नियमित रूप से साफ-सफाई, पेयजल की आपूर्ति आदि सुचारू रूप से चल रही है। इस मौके पर नगर पालिका के अमले ने जानकारी दी की। मंगलवार को नगर पालिका अध्यक्ष श्री राठौर ने वार्ड क्रमांक 28 के अंतर्गत खजांची लाइन श्रीजी मंदिर पर करीब 10 लाख की लागत से कायाकल्प योजना अंतर्गत डामरीकरण का निरीक्षण किया और इसके अलावा 20 लाख की सीसी सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण होने पर लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम के दौरान पार्षद अर्जुन राठौर, मांगीलाल मालवीय, कमलेश राठौर, प्रदीप गौतम, लोकेन्द्र वर्मा, प्रदीप बिजोरिया के अलावा व्यापारी और क्षेत्रवासी शामिल थे।

मोबाइल दुकान के उद्घाटन के दौरान सड़क पर किया अतिक्रमण, निगम ने काटा चालान

देवास। शहर में कैलादेवी मार्ग पर एक नई मोबाइल दुकान के उद्घाटन के दौरान किए गए अस्थाई अतिक्रमण पर नगर निगम ने सोमवार को कार्रवाई की। निगम ने सड़क से फ्लेक्स और अन्य सामग्री हटाई तथा दुकान संचालक पर 5 हजार रुपए का चालान काटा।नगर निगम को राहगीरों और स्थानीय निवासियों से शिकायतें मिली थीं। इन शिकायतों में कहा गया था कि सड़क पर अस्थाई अतिक्रमण कर आवागमन बाधित किया जा रहा है। शिकायत मिलने पर निगम की टीम मौके पर पहुंची और अतिक्रमण हटाया।मोबाइल दुकान संचालक ने उद्घाटन के लिए सड़क पर फ्लेक्स और अन्य सामग्री लगाई थी। इसके लिए नगर निगम से कोई अनुमति नहीं ली गई थी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर निगम ने यह चालानी कार्रवाई की। इस अतिक्रमण के कारण यातायात भी बाधित हो रहा था।

स्वास्थ्य शिविर आयोजित

देवास। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजिनी जेम्स बेक ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विजयागंज मंडी में संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान कुल 164 रोगियों का पंजीयन किया गया। जिसमें 12 रोगियों का मोतियाबिंद के लिए चयन किया। 26 हितग्राहियों को शासन द्वारा प्रदाय किए गए चश्मों का वितरण किया।

क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू, जोशी ने किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ मौरासा

सोमवार से बाबा भंवरनाथ महाराज के मेले में क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ नगर परिषद अध्यक्ष संजय जोशी, उपाध्यक्ष जय सिंह राणा ने बाबा भंवरनाथ व भगवान मनकामेश्वर की पूजा अर्चना करने के पश्चात मेला ग्राउंड में किया। जहां उन्होंने शेख इलेवन टीम देवास, करनावद इलेवन टीम, लकी स्पोर्टस टीम इंदौर व उज्जैन की टीम के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रथम मैच के लिए टॉस भी करवाया।साथ ही अध्यक्ष जोशी ने नगर परिषद उपाध्यक्ष की गेंद पर शॉर्ट्स भी लगाए। अध्यक्ष उपाध्यक्ष ने मेला ग्राउंड में चल रही क्रिकेट प्रतियोगिता का अवलोकन किया। मैच में अंपायरशिप युवराज सिंह व परवेज खान द्वारा की जा रही है। वहीं कमेंट्री मनीष ठाकुर व राज राठौर के द्वारा की जा रही है। महाशिवरात्रि पर्व परप्रतिवर्ष आयोजित होने वाले 10 दिवसीय में विभिन्न धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही है। इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि राजेंद्र यादव, पार्षद सचिन यादव, पूर्व पार्षद कैलाश सिंह ठाकुर, सज्जन दरबार, आदि लोग मौजूद रहे।

दरबार की स्मृति में विधायक ने किया जल मंदिर प्याऊ का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ मौरासा

नगर के प्रमुख प्रसिद्ध बाबा भँवरनाथ महाराज मंदिर प्रांगण में स्व.फतेसिह दरबार की स्मृति मे जल मंदिर प्याऊ लोकार्पण का आयोजन उनके पुत्र दिलीप सिंह दरबार द्वारा रखा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हाटपिपलिया क्षेत्र के विधायक मनोज चौधरी एव विशेष अतिथि सोनकच्छ क्षेत्र के विधायक डॉ. राजेश सोनकर एवं माता मीना देवी के द्वारा सम्पन्न हुआ। इसके पश्चात विधायक चौधरी द्वारा खिचढी प्रसाद का वितरण भी किया गया। लोकार्पण के अवसर पर उनकी पुत्रवधु ऊमा- दिलीप सिंह राजपूत- बहन लक्ष्मी अशोक, कृष्मिता-कलपेश देवराज सिंह- हर्षवर्धन सिंह राजपूत, अमर अवस्थी, नगर परीषद उपाध्यक्ष जयसिंह राणा, पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र यादव, प्रेस क्लब अध्यक्ष मनोज शुक्ला, पूर्व पार्षद कैलाश सिंह ठाकुर, पत्रकार अभय नागर, नरेन्द्र माली, देवीसिंह लोधी, मौसम माली, विनायक माली, अजबसिंह धाकड आदि लोग मौजूद रहे।

महाशिवरात्रि पर संस्था नमो-नमो ने किया अभिनव आयोजन

विवाह उत्सव जैसी भव्यता के साथ प्रमुख मार्गों से निकली शिव बारात

हरिभूमि न्यूज ⏭ देवास

संस्था नमो नमो द्वारा नगर में आयोजित भव्य शिव बारात इस वर्ष विवाह उत्सव जैसी साज-सज्जा और आध्यात्मिक माहौल के साथ संपन्न हुई। नगर में श्रद्धा, भक्ति और सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे आयोजन ने विवाह उत्सव जैसी आनंदमयी अनुभूति प्रदान की। शिव बारात प्रारंभ होने के पूर्व मंचीय कार्यक्रम में अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव, राजीव खंडेलवाल, बहादुर मुकाती, दुर्गेश अग्रवाल, सुभाष शर्मा, शशिकांत यादव, मनीष सेन, शिवा पहलवान, विजय सिंह पंवार, मनीष सोलंकी उपस्थित थे।

स्वागत भाषण संस्था संयोजक राजेश यादव ने दिया और उद्बोधन भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव, राजीव खंडेलवाल, दुर्गेश अग्रवाल और शशिकांत यादव द्वारा दिया गया। अतिथियों का स्वागत संस्था अध्यक्ष वरुण अग्रवाल, कार्यक्रम अध्यक्ष अनिल चौधरी, सुमेरसिंह ठाकुर, नरेन्द्र सोलंकी, दीपक सोनी, राकेश गुप्ता, महेश यादव, शशांक पवैया ने किया।

विशेष सम्मान समारोह

शिव बारात प्रारंभ होने से पूर्व नगर में प्रभात फेरियों के माध्यम से सनातन धर्म की अलख जगाने वाले धर्मवीर बंधु-भगिनियों का अतिथियों द्वारा भगवा दुपट्टा एवं श्रीफल देकर सम्मान किया गया। इसके पश्चात शिव बारात प्रारंभ हुई जिसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों की सांस्कृतिक झलक दिखाई दी। केरल की ढोल पार्टी ने पूरे मार्ग में ऐसा वातावरण बनाया कि श्रद्धालु वाद्य यंत्रों की धुन पर झूमने लगे। गुजरात की मातृशक्ति डमरू पार्टी ने अपनी प्रस्तुति से विशेष आकर्षण पैदा किया। उत्तर प्रदेश की सजीव झांकियां, वनवासी समाज के नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। बेरसिया की देवी-देवताओं की झांकियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं। बारात में शीश से गंगा धारा निकालते, डमरू बजाते नंदी पर सवार रोबोटिक शिवजी, माँ गौरा को ब्याहने जाते दूल्हा स्वरूप शिवजी और विशाल नंदी की झांकी विशेष आकर्षण रही।

उज्जैन जैसी दिव्यता का अनुभव

बारात में उस दृश्य की झलक भी देखने को मिली जिस प्रकार सावन माह में उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर से बाबा महाकाल गजराज पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकलते हैं। यह प्रस्तुति श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही। श्रद्धालुओं ने भक्ति और आस्था के साथ इस दिव्य शिव बारात का दर्शन किया और आयोजन की भव्यता की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन अजय तोमर ने किया तथा आभार प्रदर्शन संजय दायमा द्वारा किया गया। शिव बारात की ऐतिहासिक सफलता पर संस्था के मनोज गर्ग, रोहित शर्मा, नितिन शेलके, गोलू पीओपी, सुरेंद्र परिहार, महेश चौहान, मनीष जैन, बंटी मंगरोलिया, नीलेश वर्मा, राम यादव, सोनू परमार, संजय ठाकुर, भूपेश ठाकुर, विकास जाट, गोपाल खत्री, राहुल गोस्वामी, शुभम जाधव, रोहित खिची (काली), रवि दायमा, मनीष काका, धीरेन्द्र दवे, लक्खा खत्री, राहुल ठाकुर, गौरव दुबे, हेमंत कोदिया, दिनेश शर्मा, ईश्वर परसिया, शशांक पवैया, जयंत यादव सहित संथा सदस्यों ने देवास की सनातन प्रेमी जनता का आभार व्यक्त किया है।

टैक्स जमा नहीं करने पर ग्राम बावडिया में भूमि कुर्क की गई

देवास। तहसीलदार नगर देवास सपना शर्मा द्वारा भूमि स्वामी विकास पिता टीकमचंद अग्रवाल निवासी इंदौर के द्वारा ग्राम बावडिया में डायवर्सन टैक्स जमा नहीं करने पर भूमि कुर्क करने की कार्यवाही की गई है। उन्होंने बताया कि सर्वे क्रमांक 289/1/1 एवं 252/1/1 एवं देवास जूनियर स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 793, 820/3 , 820/4 , 821/2 , 822/3, 824/2 और 825/3 पर बकाया डायवर्सन टैक्स जमा नहीं करने पर भूमि को कुर्क करके बोर्ड लगाया गया साथ ही उक्त भूमियों पर अब किसी भी प्रकार का संव्यवहार अवैध होगा। कार्यवाही में राजस्व निरीक्षक लखन पुरबिया एवं हल्का पटवारी दीपिका बोरीवाल सहित अन्य राजस्व अमला साथ मौजूद था।

शिवपुरी में साथी अधिवक्ता की हत्या के विरोध में हड़ताल पर थे सभी वकील

अदालतों में वकीलों को ढूंढते नजर आए पक्षकार, अगली तारीखें मिली

विभिन्न मांगों को लेकर प्रधानमंत्री व राज्यपाल के नाम सौंपे ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

शिवपुरी जिले में एक अधिवक्ता की गोली मारकर की गई नृशंसा हत्या के विरोध में राजगढ़ जिला न्यायालय सहित सभी तहसील न्यायालयों के अधिवक्ता अदालतों के कार्य से विरत रहे। साथी अधिवक्ताओं पर आए दिन हो रहे हमलों, हत्या के विरोध में राज्य अधिवक्ता परिषद के आह्वान पर वकील अदालतों में पहुंचे ही नहीं। ऐसे में न्यायालयों में विभिन्न मामलों के पक्षकार अपने अधिवक्ताओं, वकीलों को यहां-वहां ढूंढते नजर आए। उधर, अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने कलेक्टोरेट पहुंचकर राज्यपाल एवं प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर डॉ. गिरीश मिश्रा को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। उक्त ज्ञापन में प्रदेश में अधिवक्ताओं पर हो रहे हमलों की तीखी निंदा करते हुए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की मांग रखी। अधिवक्ताओं ने अपनी मांगों के संबंध में

कलेक्टोरेट में जमकर नारेबाजी भी की।

शासकीय नौकरी व 1 करोड़ अनुगृह सहायता की मांग

ज्ञापन में उल्लेख है कि अधिवक्ता न्याय के प्रहरी के रूप में काम करते हैं और उन्हीं की हत्याएं हो रही हैं, आए दिन हमलों के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने सहित शिवपुरी के मृत अधिवक्ता के परिवार को शासकीय नौकरी एवं 1 करोड़ रुपए की

अनुगृह सहायता देने की मांग सभी अधिवक्ताओं ने रखी।

तहसील न्यायालयों में भी कार्य से विरत रहे अधिवक्ता

अधिवक्ताओं का उग्र आंदोलन, प्रदर्शन अकेले जिला न्यायालय तक सीमित नहीं बल्कि जिले के अन्य तहसील न्यायालयों में भी वकील काम पर नहीं पहुंचे। सभी न्यायालयों में विभिन्न प्रकरणों, मामलों के पक्षकार अपने वकीलों को ढूंढते नजर आए।

अटकी जमानतें, अगली तारीखें दी गईं

जिले के सभी अधिवक्ताओं, वकीलों के कार्य से विरत रहने के चलते सभी तरह के आपराधिक मामलों से जुड़ी जमानतें, सुनवाई नहीं हो पाईं। न्यायालय से संबंधित पक्षकारों की आगे की तारीखें दी गईं। मुख्यालय पर हुए ज्ञापन, प्रदर्शन के दौरान शेख मुजीब, अविनाश दशेहरिया, आलोक श्रीवास्तव, आफताब खान, सतीश व्यास, प्रहलाद पंवार, समीर सक्सेना, बीएम सक्सेना, नवनीत शर्मा, वल्लभ शर्मा, जेपी शर्मा, रिषिराज शर्मा, नरेंद्र परमार, धमेंद्र नामदेव, मोहम्मद सिद्धिकी, अमित व्यास, प्रभा शर्मा, मनोज गुर्जर, लाड़सिंह, रमेश धाकड़, लक्ष्मीनारायण मंडलोई, विजय शर्मा, तरुण श्रीवास्तव, नारायण सिंह, मोहन वर्मा, धमेंद्र उमठ, कमल उमठ, मोहनीश, राकेश गौर, सुनील सोनी, मेहरबान, हेमराज सहित अन्य उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल से टोंटियां चोरी करने वाला धराया

तुलसीयान सिक्यूरिटी सर्विस की सिक्यूरिटी के बिछाए जाल में फंसा चोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ ब्यावरा

एक महीने से लगातार जिला अस्पताल में चोरी की घटनाओं को आए दिन अंजाम देने वाले चोर का पर्दाफाश हो गया है। तुलसीयान सिक्यूरिटी सर्विसेस के सुपरवाइजरों की समझदारी से इस चोर को पकड़ा जा सका है।

सुपरवाइजर विक्रमसिंह एवं प्रहलाद सिंह ने बताया की पिछले 15 दिनों से जिला अस्पताल के विभिन्न वार्डों से नल की टोंटियां निकाली जा रहीं थी और चोर पकड के बाहर था परंतु सोमवार को सिक्यूरिट सुपरवाइजर ने सक्पेक्ट दिख रहे युवा का पीछा किया और देखा की थोड़ी देर बाद कैंसर वार्ड के पास के वाथरूम से पानी बाहर आने लगा तो सिक्यूरिटी सर्विसेस के गार्ड ने संदिग्ध से पूछताछ की और पूछा की अस्पताल में क्या कर रहे हो तो उसका जवाब भी बेतुका ही था। जिस पर इस पर संदेह और बढ़ गया इसको पकड़कर जब पुलिस के सामने ले जाया गया तो पता चला की इशान खान पिता बाबूखान निवासी ब्यावरा द्वारा कई दिनों से टोंटियां चुराने का काम किया जा रहा था। पुलिस ने आरोपी

को पकडकर राजगढ से लेकर ब्यावरा तक छुपाई गई टोंटियों को जप्त करने की कार्रवाई की गई। जिसमें लगभग 50 टोटियां मिलने की अपुष्ट जानकारी है।

तुलसीयान सिक्यूरिटी सर्विसेस ने किया सराहनीय कार्य

तुलसीयान सिक्यूरिटी सर्विसेस द्धारा जिला अस्पताल में दी जा रही सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए कंपनी के प्रबंधक सोम कलोरिया ने कहा है कि हमारे सुपरवाइजर एवं सुरक्षा गार्ड के हौसलों एवं चतुराई के कारण यह टोंटी चोर पकडा है आगे भी हम अपने सहयोगियों से इसी तरह कार्य करने की आशा करते है।

सिक्यूरिटी प्रबंधक ने 1 माह में चोर पकड़ने का किया था वादा

आरएमओं डां अमित कोली ने बताया कि लगातार चोरी को लेकर सिविल सर्जन डॉ रजनीश शर्मा ने सिक्यूरिटी एजेंसी प्रबंधक को नोटिस दिया था जिसके जबाब में उन्होने 1 महीने में चोर को पकडने का आश्वासन दिया था।

मुंडला बारोल में 1.39 करोड़ के हाई स्कूल भवन का लोकार्पण

मानपिछोड़ी सहित पंचायतों में विकास कार्यों का भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नरसिंहगढ़

क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक मोहन शर्मा द्वारा ग्राम मुंडला बारोल में 1 करोड़ 39 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवीन हाई स्कूल भवन का विधिवत लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में मजबूत आधारभूत संरचना तैयार करना शासन की प्राथमिकता है, जिससे ग्रामीण विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

इसी क्रम में ग्राम मानपिछोड़ी में प्रधानमंत्री सड़क से छापरीखुर्द तक 20 लाख रुपये की लागत से सीसी सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया। साथ ही ग्राम आवली में पंचायत भवन के पास 40 लाख रुपये की पुलिया निर्माण, ग्राम झाड़ला में 20 लाख रुपये की सीसी सड़क, ग्राम सूकल्या में चैक से भील मोहल्ले तक 25 लाख रुपये की सीसी सड़क तथा ग्राम तिन्दोनिया (देवगढ़) में 5 लाख रुपये की लागत से सीसी सड़क निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया। इसके अतिरिक्त 10 लाख रुपये की लागत से एक अन्य पुलिया निर्माण कार्य तथा ग्राम माना, बिजौरी और तरेनी धाकड़ में लगभग 2 करोड़ 16 लाख रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन भी संपन्न हुआ। विधायक मोहन शर्मा ने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास, बेहतर आवागमन सुविधा एवं जनसुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, संबंधित विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जिला पंचायत सीईओ की कार्रवाई

रूपपुरा सचिव सस्पेंड, खिलचीपुर का सब-इंजीनियर राजगढ़ अटैच

राजगढ़। ग्रामीण विकास से संबंधित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक सोमवार को खिलचीपुर जनपद सभाकक्ष में आयोजित की गई। जिला पंचायत सीईओ डॉ. इच्छित गढ़पाले द्वारा ली गई इस बैठक में विभिन्न लापरवाहियों पर कई तल्ख निर्णय लिए गए। समीक्षा के दौरान रामेश्वर सोलंकी, सचिव ग्राम पंचायत रूपपुरा द्वारा सीएम हेल्पलाइन की 03 शिकायतों के निराकरण में रुचि न लेने, ग्राम पंचायत कार्यालय बंद पाए जाने तथा साफ-सफाई के नाम पर राशि आहरित करने के बावजूद साफ-सफाई न कराए जाने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया।

इसी क्रम में जितेन्द्र सिंह उमठ, उपयंत्री (संविदा) वाटरशेड, जनपद पंचायत खिलचीपुर बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए। साथ ही पूर्व में भी जिला पंचायत स्तर की बैठकों में अनुपस्थित रहने के कारण उन्हे आगामी आदेश तक जिला पंचायत वाटरशेड में संबद्ध किए जाने की कार्यवाही की गई। इसी तरह दिनेश गुप्ता, पंचायत समन्वयक अधिकारी, जनपद पंचायत खिलचीपुर की अनेकों लापरवाहियों पर फिलहाल उन्हें कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

खिलचीपुर क्षेत्र के अन्य कार्यों की भी समीक्षा बैठक में जनपद पंचायत खिलचीपुर की 47 ग्राम पंचायतों में आंगनवाड़ी निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। समीक्षा में पाया गया कि 47 में से 28 आंगनवाड़ी भवन पूर्ण हो चुके हैं, जबकि शेष 19 आंगनवाड़ी निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। शेष निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए।

कुरावर में कांग्रेस का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन

कुरावर। ब्लॉक कांग्रेस और शहर कांग्रेस के नेतृत्व में कांग्रेस पार्षदों का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन सोमवार को शुरू होने के साथ शाम को 1 महीने के आश्वासन पर समाप्त हो गया। सुबह 11 बजे से नगर परिषद कार्यालय के सामने बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्रित होकर धरने पर बैठ थे जो धरना-प्रदर्शन समाप्त होते ही उठ गए। धरना-प्रदर्शन के दौरान पार्षदों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ भेदभाव किया जा रहा है। भाजपा पार्षदों के वार्डों में निर्माण और विकास कार्य कराए जा रहे हैं, लेकिन कांग्रेस पार्षदों को उपेक्षित किया जा रहा है। उनके वार्डों में मूलभूत सुविधाओं की कमी है, जिससे नगरवासी परेशान होते हैं। कांग्रेसी पार्षदों का कहना है कि हमारे वार्डों में नलजल, नाली, बिजली सड़क सहित साफ सफाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

पसंद की दुकान चुनने की सुविधा

अब खाद के लिए कतार खत्म, किसान घर बैठे ही बुक कर सकेंगे खाद

सारंगपुर। खाद वितरण व्यवस्था को सुचारू और पारदर्शी बनाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 से नई प्रक्रिया लागू कर दी है। इस नई व्यवस्था के तहत अब किसानों को खाद लेने के लिए टोकन हेतु लंबी कतारों में खड़े होने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। किसान घर बैठे मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन ई-टोकन प्राप्त कर सकेंगे और अपनी पसंद की दुकान या संस्था का चयन कर निर्धारित समय पर पहुंचकर खाद खरीद सकेंगे। राज्य में ई-टोकन सिस्टम के जरिए खाद वितरण की प्रक्रिया शुरू भी कर दी गई है।

उक्त जानकारी देते हुए कृषि विस्तार अधिकारी राजेश राजपूत ने बताया कि इस व्यवस्था के लागू होने से खरीफ फसल तक अधिकतम किसानों को इससे जोड़ा जाएगा, जिससे खाद के लिए होने वाली अव्यवस्था और मारामारी की स्थिति समाप्त होने की उम्मीद है। नई प्रणाली में किसान जैसे ही अपना सर्वे नंबर दर्ज करेंगे, उनकी जमीन से जुड़ी पूरी जानकारी स्क्रीन पर उपलब्ध हो जाएगी। इसमें किसान द्वारा बोई गई फसल और रकबे का विवरण भी शामिल रहेगा। ई-टोकन सिस्टम के लिए कृषि विभाग द्वारा विशेष ऑनलाइन पोर्टल तैयार किया गया है। इस पोर्टल पर किसान अपना आधार नंबर दर्ज कर पंजीयन कर सकते हैं। पंजीयन के बाद खाद उपलब्ध कराने वाली संस्था या दुकान का चयन कर किसान ऑनलाइन ई-टोकन प्राप्त कर सकेंगे। टोकन में दिए गए समय पर संबंधित खाद वितरण केंद्र पर पहुंचकर किसान आसानी से खाद खरीद पाएंगे।

दंपती के बैग को काट कर 6 तोला सोना किया पार

बस से महिला के पर्स से सोने के जेवरात साफ

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना

ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा को चुनौती देते हुए शातिर चोरों ने इंदौर-ग्वालियर इंटरसिटी एक्सप्रेस में एक बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। इंदौर निवासी एक दंपती जब शादी समारोह में शामिल होने ग्वालियर जा रहे थे, तभी रास्ते में उनके ट्रॉली बैग से करीब 5 से 6 तोला वजनी सोने के आभूषण चोरी हो गए। वहीं जिले के म्याना से गुना के बीच चलने वाली एक यात्री बस में अज्ञात चोर ने एक महिला के पर्स से सोने के जेवरात साफ कर दिए। पीड़िता ने म्याना थाने पहुंचकर मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी हेमेन्द्र सिंह जादौन निवासी इंदौर ने जीआरपी गुना को बताया कि वह गत दिवस को अपनी पत्नी नंदनी भदौरिया के साथ ट्रेन संख्या 11125 इंटरसिटी एक्सप्रेस के कोच एस-3 में यात्रा कर रहे थे।

उज्जैन स्टेशन से निकलने के बाद उनकी नींद लग गई थी। रात करीब 1 बजे जब उनकी आंख खुली, तो उन्होंने देखा कि सामने वाली लोअर बर्थ पर करीब 35 से 40 साल का एक अज्ञात व्यक्ति बैठा हुआ था। इसके बाद हेमेन्द्र सिंह पुनः सो गए।रात करीब 3 बजे जब ट्रेन गुना स्टेशन के समीप पहुँच रही थी, तब हेमेन्द्र की नींद खुली। उन्होंने देखा कि सामने बैठा व्यक्ति गायब था। शक होने पर उन्होंने अपनी बर्थ के नीचे रखा ट्रॉली बैग चेक किया, तो उसके होश उड़ गए। शातिर चोर ने बैग की चैन खोलने के साथ-साथ उसे ऊपर से काट दिया था। बैग खोलकर देखने पर उसमें रखे सोने का हार, एक जोड़ी कान की ब्रज बाला, एक जोड़ी झुमके और दो अंगूठियां गायब थीं। फरियादी ने बताया कि वह ग्वालियर में एक शादी में शामिल होने जा रहे थे, इसलिए वहां पहुंचकर ग्वालियर जीआरपी में आवेदन दिया। चूंकि घटना गुना स्टेशन के आसपास की है, इसलिए ग्वालियर जीआरपी ने शून्य पर मामला दर्ज कर केस डायरी असल अपराध कायम करने हेतु गुना जीआरपी को भेज दी है। चोरी गए जेवरों का वजन करीब 5 से 6 तोला बताया जा रहा है। पुलिस अब हुलिए के आधार पर अज्ञात संदिग्ध की तलाश में जुट गई है।इधर जिले के म्याना से गुना के बीच चलने वाली एक यात्री बस में अज्ञात चोर ने एक महिला के पर्स से सोने के जेवरात साफ कर दिए। पीड़िता ने म्याना थाने पहुंचकर मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। फरियादिया नंदनी जाटव निवासी सिरोंज (विदिशा) ने बताया कि वह म्याना स्थित अपने मायके आई हुई थी। गत विस वह वापस जाने के लिए म्याना चौराहा से सफेद रंग की बस क्रमांक एमपी 07-5171 में सवार हुई।

बस में काफी भीड़ थी, जिसका फायदा उठाकर किसी अज्ञात बदमाश ने उसके पर्स की चैन खोल ली और अंदर रखी डिब्बी पार कर दी। उस डिब्बी में करीब दो तोला वजन का सोने का हार और नथ-बेंदी रखी थी, जिसकी कीमत लगभग 70 हजार रुपये बताई जा रही है। जब बस गुना के जयस्तंभ चौराहे पर रुकी और पीड़िता नीचे उतरी, तब उसने देखा कि पर्स की चैन खुली हुई है और जेवरात गायब हैं।

अधिवक्ता की हत्या के विरोध में सौंपा ज्ञापन सुरक्षा कानून लागू करने की मांग

सारंगपुर। गत दिवस करैरा में अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की 14 फरवरी को अज्ञात अपराधियों द्वारा गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना के विरोध में अभिभाषक संघ सारंगपुर ने कड़ा विरोध जताया। संघ द्वारा मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी को सौंपा गया तथा घटना की निंदा करते हुए निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। अभिभाषक संघ ने बताया कि उक्त घटना से प्रदेशभर के अधिवक्ताओं में भारी आक्रोश और भय का वातावरण है। अधिवक्ताओं ने कहा कि लंबे समय से मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद द्वारा अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक शासन द्वारा इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। अधिवक्ताओं पर लगातार हमले हो रहे हैं, जिससे न्यायिक व्यवस्था से जुड़े लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। संघ ने शासन से मांग की कि मृतक अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना के हत्यारों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट तत्काल लागू किया जाए। साथ ही मृतक के परिवार को एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी देने की मांग भी की गई। ज्ञापन का वाचन अभिभाषक संघ सारंगपुर के अध्यक्ष द्वारा किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त सारंगपुर सहायक शिक्षक जाहिदा मोटलानी का हुआ सम्मान

सारंगपुर। जिले में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के लिए कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में प्रशासन ने एक प्रभावी और संवेदनशील व्यवस्था विकसित की है, जिसके तहत सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन पीपीओ उपलब्ध कराया जा रहा है। इस दौरान सारंगपुर सहायक शिक्षक जाहिदा मोटलानी सहित अन्य का सम्मान किया गया। आयोजित भावपूर्ण विदाई समारोह में पेंशनरों को साइबर फ्रॉड से बचाव के महत्वपूर्ण उपाय बताते हुए आर्थिक नुकसान से सतर्क रहने की अपील की और कहा कि आजकल एसएमएस के माध्यम से कई बार साइबर अपराधी फर्जी संदेशों के माध्यम से लोगों को ठगने का प्रयास करते हैं। माह जनवरी 2026 में सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय कर्मचारी अधिकारी में सारंगपुर सहायक शिक्षक जाहिदा मोटलानी एवं सहायक शिक्षक बाबूलाल वर्मा को माला, शाल, श्रीफल, प्रतीक चिन्ह एवं पीपीओ का वितरण कर उनका सम्मान किया गया। इस मौके पर अपर कलेक्टर प्रताप सिंह चैहान, संयुक्त कलेक्टर वीरेंद्र सिंह दांगी, डिप्टी कलेक्टर ज्योति राजोरे, जिला पेंशन अधिकारी संदीप दुबे आदि मौजूद थे।

टाइम लिमिट बैठक में सख्त लहजे में नजर आए जिलाधीश

लापरवाही पर लोकसेवकों की वेतनवृद्धियां रोकने के दिए निर्देश, किसी को नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

कलेक्टोरेट सभागार में सोमवार दोपहर समय-सीमा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, सीएम मॉनिट, ई-ऑफिस सार्थक ऐप, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं, लंबित प्रकरणों एवं विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

कलेक्टर डॉ. गिरीश मिश्रा ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान सीएमओ ब्यावरा, सीएमओ खिलचीपुर, पीएचई एई एवं जल संसाधन ईई को बॉटम एल-1 में निम्न प्रदर्शन पर सख्त चेतावनी दी। सीईओ जनपद राजगढ़ द्वारा संतुष्टिपूर्ण जवाब दर्ज न किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की गई। रेशम विभाग में कई लापरवाहियों पर सभी कर्मचारियों का वेतन रोकने के निर्देश प्रदान किए। फाइल क्रिएशन में खराब प्रदर्शन पर तहसीलदार सुठालिया को नोटिस जारी कर अधीनस्थ दो लिपिकों की 1-1 वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश दिए गए।

नोटिस के साथ ही रोकी गई वेतनवृद्धियां

ई-ऑफिस में गत 25 दिनों से लॉगिन न करने पर पिंकी साहू सहायक ग्रेड-3 ब्यावरा की एक वेतनवृद्धि रोक दी गई। पशु चिकित्सा विभाग की डॉ. सोनाली को सार्थक अटेंडेंस में निम्न प्रगति पाए जाने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने स्पष्ट किया कि जनहित एवं शासकीय कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा आगामी बैठक में सभी बिंदुओं की सख्ती से समीक्षा की जाएगी।

सकारात्मक स्लोगन गतिविधि का किया आयोजन, विद्यार्थियों ने दिए प्रेरणादायक संदेश

सारंगपुर। महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण गतिविधियों के अंतर्गत सकारात्मक स्लोगन गतिविधि का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा सकारात्मक दृष्टिकोण पर आधारित आकर्षक पोस्टर बनाए गए तथा पोस्टरों के माध्यम से जीवन में सकारात्मकता के महत्व का समाज को संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ ममता खोइया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जीवन में सकारात्मक विचारों की महत्ता को रेखांकित किया। वहीं नोडल अधिकारी ने अपने वक्तव्य में बताया कि सकारात्मक सोच तनाव को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है तथा मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाती है। इस अवसर पर, तथा ने भी सकारात्मक दृष्टिकोण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता करते हुए सकारात्मक विचारों पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

खबर संक्षेप

एडवोकेट वर्मा ने दिग्विजय सिंह से की भेंट

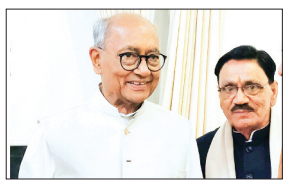

आष्टा। चंद्रवंशी क्षत्रिय खाती समाज के स्थानीय अध्यक्ष एडवोकेट बीएस वर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री, वर्तमान सांसद दिग्विजय सिंह से भोपाल निवास पर सौजन्य भेंट कर,आष्टा में समाज की धर्मशाला की भूमि पर बाउंड्रीवाल निर्माण हेतु,सांसद निधि से राशी प्रदान करने का अनुरोध पत्र दिया। दिग्विजय सिंह जी ने वर्मा को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।ज्ञात हो कि पूर्व में भी दिग्विजयसिंह ने खाती समाज की धर्मशाला में अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु 5 लाख की राशी अपनी सांसद निधि से प्रदान की है। दिग्विजय सिंह को समाज धर्मशाला निर्माण समिति के अध्यक्ष जगदीश पटेल कोठरी, उपाध्यक्ष डॉ, रतनसिंह जामलिया, कोषाध्यक्ष डी, पी,वर्मा चंद्रवंशी ट्रेडर्स, महेन्द्र कुमार पटेल, महेशकुमार वर्मा, महेंद्र पटेल मानाखेड़ी, बनपसिंह पटेल, तेजसिंह जावरिया, मुकेश वर्मा एडवोकेट मैना आदि ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जनसुनवाई में सुनीं नागरिकों की समस्याएं

सीहोर। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिलेभर से आए 38 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। जिला मुख्यालय के साथ ही जनपद कार्यालयों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, आपसी विवाद, मेढ.-रास्ता विवाद, बीपीएल कार्ड आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

कलेक्टर और एसपी ने कुबेरेश्वर धाम का लिया जायजा

ध्यान रखें प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित वातावरण मिले: कलेक्टर

एसपी ने दिए कुबेरेश्वर धाम में व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के निर्देश, बोले ड्यूटी को सेवा भाव से निभाएं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

कलेक्टर बालागुरू के. एवं एसपी दीपक कुमार शुक्ला ने कुबेरेश्वर धाम में शिव महापुराण कथा महोत्सव के सुचारू संचालन के लिए प्रशासन एवं समिति द्वारा की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने तैनात सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे अपनी ड्यूटी पूरी गंभीरता, सजगता और जिम्मेदारी के साथ निभाएं। उन्होंने कहा कि धाम में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं, ऐसे में प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी का व्यवहार सहयोगात्मक और सेवा भाव से परिपूर्ण होना चाहिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल शासकीय ड्यूटी नहीं, बल्कि सेवा का अवसर है, जिसे पूरी निष्ठा से निभाया जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी अपने-अपने निर्धारित ड्यूटी क्षेत्र में पूरे समय उपस्थित रहें तथा बिना अनुमति ड्यूटी स्थल न छोड़ें। श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए वे सतर्क एवं सक्रिय रहें। उन्होंने कहा कि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन, जानकारी एवं आवश्यक सहयोग तत्काल उपलब्ध कराया जाए। पेयजल व्यवस्था को लेकर कलेक्टर ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि धाम परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की सतत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। पानी के टैंकर, टंकियां एवं पाइप लाइन की नियमित मॉनिटरिंग की जाए ताकि कहीं भी कमी की स्थिति उत्पन्न न हो। पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने कहा कि वाहनों की सुव्यवस्थित पार्किंग सुनिश्चित की जाए तथा मुख्य मार्गों पर जाम की स्थिति न बनने दी जाए। यातायात पुलिस एवं अन्य तैनात कर्मी श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सरल आवागमन में सहयोग करें, ताकि वे बिना किसी कठिनाई के धाम पहुंचे और वापस जा सकें। स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के संबंध में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अस्पताल में सभी आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें। चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी ड्यूटी के दौरान अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। आपात स्थिति से निपटने के लिए एम्बुलेंस सेवाएं तत्पर रहें तथा किसी भी मरीज को तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जाए। कंट्रोल रूम एवं हेल्प डेस्क की व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि यहां चैबीसों घंटे अधिकारी-कर्मचारी तैनात रहें।

श्रद्धालुओं द्वारा की गई हर शिकायत, समस्या या जानकारी संबंधी अनुरोध का त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि हेल्प डेस्क श्रद्धालुओं के लिए सहायता का प्रमुख केंद्र है, इसलिए यहां कार्यरत कर्मचारी संवेदनशीलता एवं विनम्रता के साथ कार्य करें। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय बनाए रखते हुए व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कुबेरेश्वर धाम आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित वातावरण मिले तथा वे श्रद्धा और आस्था के साथ दर्शन एवं कथा का श्रवण संपन्न कर सकें। निरीक्षण के दौरान एएसपी सुनीता रावत तथा एसडीएम तनमन्य वर्मा सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

स्वाध्याय और चिंतन से बढ़ेगी एकाग्रता: संस्कार सागर

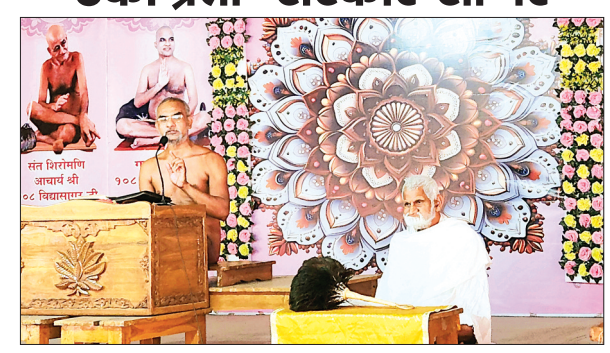

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

नगर के श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, अलीपुर अरिहंतपुरम में विराजमान मुनिश्री संस्कार सागर महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस संसार में बिना कारण कोई भी कार्य नहीं होता। प्रत्येक घटना के पीछे कर्मों का सिद्धांत कार्यरत रहता है। इसलिए मनुष्य को केवल स्वाध्याय ही नहीं, बल्कि स्वाध्याय के पश्चात गहन चिंतन-मनन भी करना चाहिए। जब व्यक्ति चिंतन करता है तो ज्ञान का सार प्रकट होता है, एकाग्रता बढ़ती है और आत्मा का उपयोग अपने वास्तविक स्वरूप की ओर लगता है।

मुनिश्री ने कहा कि आत्मा के स्वरूप और आत्महित पर मनन करना आवश्यक है।यदि हम ऐसा करेंगे तो निश्चित रूप से परमात्मा द्वारा बताए गए मोक्षमार्ग पर चलने का प्रयास करेंगे। आप सभी वीर प्रभु के दरबार में बैठे हैं, उनकी वाणी का श्रवण कर रहे हैं।यह संयोग यूं ही नहीं मिला, इसके पीछे पुण्य का उदय है। बिना पुण्य के न तो भगवान के दर्शन संभव हैं और न ही गुरु की देशना का श्रवण।उन्होंने कहा कि हम भगवान महावीर स्वामी के शासन में बैठे हैं, यह उनका महान उपकार है। किंतु आश्चर्य की बात है कि अनेक लोगों को भगवान महावीर के जीवन और सिद्धांतों की पर्याप्त जानकारी नहीं है।जिस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को अपने पिता का नाम, परिचय और इतिहास ज्ञात होता है, उसी प्रकार भगवान के बारे में भी जानना चाहिए। इसके लिए नियमित स्वाध्याय और आगम अध्ययन अनिवार्य है। मुनिश्री संस्कार सागर मुनिराज ने आगे कहा जिनेन्द्र भगवान की देशना की महिमा को समझे बिना आत्मकल्याण संभव नहीं। मुनिश्री ने आदिनाथ भगवान का उदाहरण देते हुए कहा कि उनके साथ चार हजार राजाओं ने वैराग्य लेकर दीक्षा ग्रहण की थी। यह सब पूर्वजन्म के पुण्य का परिणाम था। हमें भी उच्चकुल और जैन कुल में जन्म पुण्योदय से मिला है। जब पुण्य प्रबल होता है तभी व्यक्ति भगवान के दर्शन-पूजन करता है और सम्मेद शिखरजी जैसे पावन तीर्थ की यात्रा का सौभाग्य प्राप्त करता है। देशना में मारीचि के जीव का प्रसंग सुनाते हुए मुनिश्री ने बताया कि तीर्थंकर बनने का वचन मिलने के बाद भी पापकर्म के उदय से वह समोशरण से उठकर चला गया। पाप कर्म आने पर मति भ्रमित हो जाती है। इसलिए परिणामों को शुद्ध बनाए रखना आवश्यक है। सम्यकदृष्टि जीव कभी खोटे काल में जन्म नहीं लेता। उन्होंने वर्तमान समय की चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज बच्चे पढ़ाई के लिए बाहर जाते हैं, लेकिन वहां धर्म और संस्कारों से दूर हो जाते हैं। यदि बचपन से स्वाध्याय और संस्कारों का बीजारोपण नहीं किया गया तो भविष्य में धर्म से दूरी बढ़ती जाएगी। पुण्य अर्जन के लिए शुभ भाव आवश्यक हैं। जब भाव अच्छे होते हैं तो व्यक्ति स्वतःभगवान के दर्शन, पूजा-अर्चना और धर्मसभा में बैठने के लिए प्रेरित होता है। मिथ्यादृष्टि जीव को जिनवाणी और धर्मकथा सुहाती नहीं। मुनिश्री ने कहा कि जिनवाणी श्रवण के समय पूर्ण एकाग्रता आवश्यक है। पापकर्म के प्रभाव से व्यक्ति धर्मसभा में भी इधर-उधर की बातें करता है या नींद निकालता है। मंदिर में बैठकर भाव अच्छे रहते हैं, लेकिन बाहर निकलते ही सांसारिक चर्चाओं में मन लग जाता है। यदि विकल्पों से रहित होकर धर्मसभा में बैठेंगे तो अवश्य ही पुण्य का अर्जन होगा। उन्होंने समझाया कि जहां अशुभ कार्य हो रहे हों, वहां जाने से परिणाम भी अशुभ हो जाते हैं। शुभ भावों की वृद्धि के लिए गुरु-साधु संतों का सानिध्य आवश्यक है।जहां कहीं स्वाध्याय, प्रवचन और पुण्य की बातें हो रही हों, वहां अवश्य उपस्थित रहे।

सुरक्षा गार्ड भर्ती कैंप का विकासखंडवार आयोजन 19 से 24 फरवरी तक

सीहोर। जिले के समस्त विकास खंडों में 19 फरवरी से 24 फरवरी 2026 तक सुरक्षा गार्ड भर्ती कैंप आयोजित किए जाएंगे है। भर्ती कैम्प में ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षित युवाओं को एसएससीआई सिक्योरिटी गार्ड कंपनी नीमच द्वारा सुरक्षा गार्ड एवं सुरक्षा सुपरवाइजर के पदों पर युवाओं को नौकरी के अवसर प्रदान किए जाएंगे । मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक से प्राप्त जानकारी के अनुसार 19 फरवरी को जनपद पंचायत परिसर आष्टा, 20 फरवरी को जनपद पंचायत परिसर नसरुल्लागंज, 21 फरवरी को जनपद पंचायत परिसर बुधनी, 23 फरवरी को जनपद पंचायत परिसर इछावर तथा 24 फरवरी 2026 को जनपद पंचायत परिसर सीहोर में भर्ती कैंप आयोजित होंगे। सभी कैम्प प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक संचालित किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए बेबसाइ www-ssciindia.com पर देखें एवं 9009168079 पर सम्पर्क कर जानकारी ले सकते हैं।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने जावर में चलाया धर्म रक्षा निधि अभियान

जावर। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल प्रखंड जावर में धर्म रक्षा निधि अभियान चलाया। लोगों ने बढ़-चढ़कर किया सहयोग हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा धर्म रक्षा निधि अभियान चलाया गया। जावर प्रखंड अध्यक्ष लखन सिंह ठाकुर ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद के वर्ग बजरंग दल के वर्ग मातृशक्ति वर्ग दुर्गा वाहिनी वर्ग ऐसे कार्यों के लिए धन संग्रह किया जाता है हिंदू धर्म सनातन के लोगों ने बढ़ चढ़कर सहयोग किया। संगठन मंत्री भानु प्रताप सिंह राजपूत का भी जावर प्रखंड में प्रवास हुआ। धर्म रक्षा निधि में लगे जावर प्रखंड एवं जिला के अधिकारी जिला मठ मंदिर प्रमुख धीरज सिंह, जिला जिला सुरक्षा प्रमुख राकेश, प्रखंड अध्यक्ष लखन सिंह, प्रखंड उपाध्यक्ष बलवान सिंह, प्रखंड सत्संग प्रमुख हटे सिंह प्रखंड, सह मंत्री महेंद्र सिंह, प्रखंड से संयोजक शिव प्रजापति प्रखंड गोरक्षा प्रमुख मनोहर सिंह एवं प्रखंड एवं खंड नगर के सभी कार्यकर्ता धर्म रक्षा निधि का कार्य कर रहे हैं।

दो सगे भाइयों की कुएं में डूबने से मौत, गांव में पसरा मातम

कुएं में पानी भरने गए थे मृतक

इछावर। इछावर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव खजुरिया घेंघी निवासी देवनारायण पत्नी और दो बेटों अनुराग (15 वर्ष) और नैतिक (14 वर्ष) के साथ गांव के ही किसान जितेंद्र के खेत में गेहूं की फसल काटने गए थे, इसी दौरान दोनों भाई पानी लाने के लिए कुएं पर गए थे। छोटा भाई नैतिक कुएं में पानी भरने उतरा तभी उसका पेर फिसल गया जिससे वह पानी में गिर गया और डूबने लगा। छोटे भाई को डूबता देख बड़ा भाई अनुराग भी उसे बचाने पानी में कूदा गया। डूबने से दोनों भाइयों की मौत हो गई। काफी समय तक दोनों पानी लेकर नहीं आए तो परिजनों ने कुएं में जाकर देखा जहां पानी में उनके जूते, चप्पल तैरते हुए दिखाई दिए। हादसे की सूचना प्राप्त होने पर नायब तहसीलदार अनामिका चतुर्वेदी अस्पताल पहुंचीं और पीड़ित परिवार से घटना की जानकारी लेकर मुआवजा देने की बात कही। फिलहाल दोनों बेटों की मौत से परिजनों में गहरा मातम छाया हुआ है। मां और पिता का रो-रोकर बुरा हाल है।

कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च दोषियों पर कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ देवास

मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के आह्वान पर जिला अभिभाषक संघ, देवास ने 16 फरवरी को न्यायालयीन कार्य से पूर्णतः विरत रहकर प्रतिवाद दिवस मनाया। यह कदम शिवपुरी जिले के करेरा क्षेत्र में 14 फरवरी 2026 को अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की अज्ञात हमलावरों द्वारा गोली मारकर की गई निर्मम हत्या के विरोध में उठाया गया। घटना के बाद प्रदेशभर में अधिवक्ताओं में आक्रोश की लहर दौड़ गई है। देवास में सोमवार सुबह से ही जिला न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं की भीड़ एकत्रित होने लगी। काली पट्टी बांधकर वकीलों ने नारेबाजी की और दिवंगत अधिवक्ता को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद अधिवक्ताओं ने संगठित रूप से कलेक्टर कार्यालय तक पैदल मार्च किया और प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। संघ जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा ने कहा कि जिस प्रकार दिनदहाड़े एक अधिवक्ता की हत्या की गई, वह न केवल कानून-व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न है, बल्कि न्याय प्रणाली की सुरक्षा पर भी गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता समाज का वह वर्ग है जो पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करता है, ऐसे में उन्हीं की सुरक्षा खतरे में होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। ज्ञापन का वाचन करते हुए संघ सचिव अतुल कुमार पंड्या ने कहा कि प्रदेश में लगातार अधिवक्ताओं पर हमले हो रहे हैं। इससे पहले डबरा के अधिवक्ता चंद्रभान सिंह मीना तथा देवास के अधिवक्ता विष्णु अग्रवाल सहित अन्य स्थानों पर भी हमले और आपराधिक घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इन घटनाओं से विधि व्यवसाय से जुड़े लोगों में असुरक्षा की भावना गहराती जा रही है। अधिवक्ताओं ने मांग की कि हत्या के आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर फास्ट ट्रैक न्यायालय में प्रकरण चलाया जाए तथा पीड़ित परिवार को पर्याप्त मुआवजा एवं सुरक्षा प्रदान की जाए।

देवबड़ला में अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने किया स्नान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर

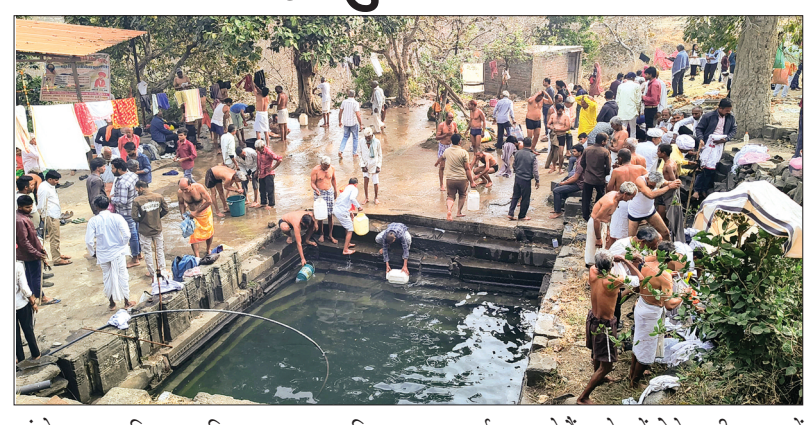

मां नेवज नदी के उद्गम स्थल व पुरातत्व धरोहर देवांचल धाम देवबड़ला बीलपान में उमड़ा आस्था का जन सैलाब मंदिर समिति के अध्यक्ष ओंकार सिंह भगतजी ने कहा हिन्दू पंचांग के अनुसार फाल्गुन (पूर्णिमांत) / माघ (अमांत) मास की कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि है। अमावस्या, जो फाल्गुन कृष्ण अमावस्या है, विशेष रूप से पूर्वजों (पितरों) को तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध अर्पित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस दिन स्नान-दान, पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाना, और पितृ दोष से मुक्ति के लिए उपवास रखना बहुत पुण्यकारी माना गया है, जिससे परिवार में सुख-समृद्धि आती है। देवबड़ला स्मारक इंचार्ज कुंवर विजेंद्र सिंह भाटी ने बताया फाल्गुन अमावस्या पर क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवबड़ला पहुंचे कुंड से मां नेवज का पवित्र जल निकाल कर स्नान किया एवं बाबा विलवैश्वर महादेव की पूजा अर्चना कर क्षेत्र की सुख शांति के लिए मंगल कामनाएं की हर अमावस्या पर यहां बड़ी संख्या में पडियार लोग भी आते हैं जो बैठक कर अनेक श्रद्धालुओं के दुःख दर्द दूर करते हैं व क्षेत्र में होने वाली घटनाओं के बारे में संकेत देते हैं ताकि जनमानस सतर्क रहे और जान-माल हनी ना हो पुरातत्व विभाग जल्द ही यहां पर पुनः काम शुरू करेगा उसके लिए आगे की रणनीति तैयार की जा रही है।

खेतों में नरवाई या पराली जलाने की घटनाएं रोकने सेटेलाइट से होगी निगरानी

खेतों में आग लगाई तो जितनी जमीन उतना ही देना होगा जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर

रबी फसलों की कटाई का समय शुरू होने वाला है। फसल कटाई बाद खेत को साफ करने के उद्देश्य से नरवाई या पराली जलाने की घटनाएं तेजी से बढ़ी है। नरवाई जलाना मिट्टी, पर्यावरण के लिए हानिकारण होने के साथ साथ उससे पशुओं के आहार का नष्ट हो जाता है। नरवाई जलाने के दौरान पड़ोस के खेतों में रखी फसल के साथ साथ जनधन की हानि, पुश पक्षी की जलने से मौत हो जाती है। कई बार अनियंत्रित घटना से अत्यधिक नुकसान हो जाता है, जिसकी भरपाई असंभव होती है। इसलिए नरवाई जलाने की घटनाओं की रोकथाम अत्यंत आवश्यक है। नरवाई जलाने पर दंडात्मक कार्यवाही का प्रावधान है। तहसीलदार जावर ओमप्रकाश चोरमा द्वारा नरवाई जलाने की रोकथाम हेतु जनजागरूकता के उद्देश्य से नरवाई जलाने के नुकसान और नरवाई प्रबंधन का सूक्ष्मता से विश्लेषण किया है।

क्या है नरवाई या पराली

धान, गेहूं जैसी फसलों की कटाई के बाद खेतों में रह जाने वाले बचे हुए तने या ठूंठ (अवशेष) को नरवाई या पराली कहते हैं। इसे आमतौर पर कंबाइन हार्वेस्टर से कटाई के बाद छोड़े गए सूखे पुआल के रूप में देखा जाता है, जिसे किसान अगली फसल के लिए जल्दी खेत खाली करने हेतु जला देते हैं।

नरवाई से होने वाले लाभ

फसल के अवशेष जलाने से प्रति एकड़ 4 क्विंटल भूसा नष्ट होता है, इस अवशेषों से पशुओं का आहार तैयार हो सकता है। नरवाई को जलाने की बजाय डंठल की कटाई ट्रैक्टर चलित स्ट्रीपर से करनी चाहिए। इस तरह कटाई से प्रति एकड़ डंठल से पांच से आठ क्विंटल भूसा बनता है। इसे पशुओं को खिलाया जा सकता है। इस अवशेष से जैविक खाद और भूसा आसानी से बनाया जा सकता है, जिस भूसे को बेचकर अतिरिक्त आमदनी भी किसान ले सकते है। रोटावेटर या मल्चर के माध्यम से नरवाई को बारीक कर मिट्टी में मिलाने से यह सड़कर उत्कृष्ट जैविक खाद में बदल जाती है, जिससे मिट्टी की उपजाऊ क्षमता, जल धारण क्षमता और पोषक तत्व बढ़ते हैं।

पैकिंग और ईंधन सामग्री

नरवाई का उपयोग पैकिंग उद्योग में और घरेलू या औद्योगिक स्तर पर ईंधन के रूप में किया जा सकता है। नरवाई के बेल या बंडल बनाकर बिजली संयंत्रों या बायोगैस यूनिटों में ऊर्जा उत्पादन के लिए बेचा जा सकता है, जिससे प्रदूषण कम होता है और किसानों को अतिरिक्त लाभ मिलता है। नरवाई को इकट्ठा करके वर्मी कम्पोस्ट (केंचुआ खाद) या नाडेप विधि द्वारा उच्च गुणवत्ता वाली जैविक खाद बनाई जा सकती है।

नरवाई जलाने पर होगी कार्रवाई

जिला दण्डाधिकारी द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163(2) के तहत नरवाई जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाता है। इसका उल्लंघन करने पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 223 के साथ ही निम्नलिखित पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क (जुर्माना) लगाया जाता है एकड़ तक भूमि पर 2,500 प्रति घटना। एकड़ से 5 एकड़ तक भूमि पर 5,000 प्रति घटना। और पांच एकड़ से अधिक भूमि पर 15,000 प्रति घटना जुमार्ना वसूला जाएगा।

सेटेलाइट से होगी निगरानी

सेटेलाइट से नरवाई जलाने की निगरानी की जाती है। इससे किस स्थान पर नरवाई जलाने के घटना हुई हुई है इसकी सटीक जानकारी पता लग जाती है। स्पष्ट है कि नरवाई जलाने वाले किसान आसानी से चिन्हित हो सकते है। इसलिए किसानों को जागरूक हो कर नरवाई जलाने से बचना चाहिए अन्यथा कार्यवाही से बच नहीं सकते है। राजस्व विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और पुलिस की टीम द्वारा पंचनामा बनाकर तहसीलदार के माध्यम से अर्थदंड की कार्यवाही की जाती है। इस बार नरवई और पराली जलाने से राकने सतत निगरानी की जाएगी।

शिविर में मोतियाबिंद मरीजों को मिला नई रोशनी का उपहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर

ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जावर में निशुल्क नेत्र परीक्षण एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने अपनी आंखों की जांच करवाई।

शिविर में भोपाल के प्रसिद्ध चिरायु अस्पताल की विशेषज्ञ टीम पहुंची थी। इस पूरी मुहिम का नेतृत्व मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ अमित माथुर, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ दीपराज बागरी एवं नेत्र विभाग के प्रमुख डॉ. रवि गोस्वामी ने किया। उनके कुशल मार्गदर्शन में टीम ने मरीजों की आंखों का आधुनिक मशीनों से सूक्ष्म परीक्षण किया। कुल 127 ग्रामीणों की आंखों की जांच कर उन्हें जरूरी सलाह दी गई। परीक्षण के दौरान जिन मरीजों में मोतियाबिंद पाया गया, उन्हें सर्जरी के लिए चिन्हित किया गया। मोतियाबिंद के चिन्हित 45 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चिरायु अस्पताल, भोपाल भेजा गया है। मरीजों के आने-जाने, रहने, खाने और ऑपरेशन की समस्त व्यवस्थाएं पूरी तरह निशुल्क रखी गई हैं।